SSP/06/02/10

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण

प्रश्नपत्र - २

दोपहर २:०० से ५:००] (रविवार, १९ जुलाई, १९९८) **कुल अंक : १००**

सूचना : दायीँ ओर प्रश्न के अंक लिखे हैं ।

(विभाग - १ किशोर सत्संग प्रवीण)

प्र.१. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्य किसने, किस से तथा कब कहे हैं यह लिखें। **६**

१. *''पर इस में तुम्हारा नाम कहाँ है ?''*

२. *''भाई के कृत्य के सामने नहीँ देखना, उसे अपने धाम का अधिकारी बनाना।''*

३. *''तुम को जैसा हम कहते हैं वैसा करना है कि साधु होना है ?''*

४. *''हमारा चारपाई खिंचता है।''*

प्र.२. निम्न लिखित में से किन्ही दो प्रसगों को कारण सहित समझाईयें।

(बारह पंकितयोँ में) **८**

१. *अलैया खाचर को बहुत पश्चाताप हुआ।*

२. *श्रीजी महाराज जेठा मेर के घर पधारे।*

३. *आश्रम के महन्त ५०० सोना मुहरे शिष्यों को देकर स्वयं श्रीजी महाराज के पास ठहर गये।*

४. *रामबाईने घडे में से थोडा सा पानी पिया तथा शेष पानी कुँए में उँडेल दिया।*

प्र.३. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर विवरण लीखिए।(बारह पंक्तियों में) **८**

१. *जेतलपुर की गणिका।*

२. *बाँधिया के डोसाभाई।*

३. *कल्याण।*

४. *आज्ञा।*

प्र.४. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लीखिए। **६**

१. *ब्रह्मचारी को किस इन्द्रिय को विशेषकर जीतनी चाहिए?*

२. *श्रीजी महाराजने सोमला खाचर की वच. का. -६ में कौन सी प्रशंसा की है?*

३. *श्रीजी महाराजने गृहस्थों के लिये कौन से पंच वर्तमान बतायें हैं?*

४. *तीर्थ अर्थात् क्या ?*

५. *लीला चिंतामणि तथा ध्यान चिंतामणि के लिए शास्त्रीजी महाराजने क्या कहा है ?*

६. *सम्प्रदाय का संस्कृत मे मुख्य ग्रन्थ कौन सा है?*

प्र.५. निम्नांकित स्वामीकी वात पूरी करें और विवरण लीखिए अथवा वचनामृत का निरुपण करें। **८**

दु:ख कोई मानना नहीँ .....

अथवा

वचनामृत गढडा प्रथम - २२।

प्र.६. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त विवरण लीखिए।

(पन्द्रह पंक्तियों में) **५**

१. *कृपानन्द स्वामी।*

२. *मानसी पूजा।*

३. *वचनामृत।*

प्र.७. निम्नांकित में से किन्हीं तीन कीर्तन/श्लोक/अष्टक की पंक्तियोँ को पूरा कीजिए। **५**

१. *शिर पर ..... शोभे घणेरां।*

२. *व्हाला तारा उरमाँ ..... सुन्दर वर छेलडा रे लोल....*

३. *सत्संगी जे तमारा ..... मागीए ए अमने न नडे।*

४. *समदु:खसुख .....*

५. *बाह्यान्तरिन्द्रियगण ..... प्रपद्ये।*

(विभाग - २ गुणातीतानन्द स्वामी)

प्र.८. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरण, किसने, किस को तथा कब कहा है यह लीखिए। ६

१. ''मुझे घर जाना नहीं, और आप की सेवा में अखंड रहना है।''

२. '' हल्दी जरदी नव तजे, खटरस तजे न आम।
गुणीजन गुण को नव तजे, अवगुण नव तजे गुलाम॥''

३. ''मुझे जैसा कोई भगवान नहीं, तथा इस जैसा अन्य साधु नहीं है।''

४. ''तुम्हारी गाडी में जुडे हुए बैल पर हमसे जुआ नहीं रखा जा सक्ता।''

प्र.९. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को कारण सहित समझायें।
(बारह पंकितयाँ में) ८

१. मुक्तानन्द स्वामीने स्वामी के वृत्ति के निरोध की प्रशंसा की।

२. गोपालानन्द स्वामी के निषेध करने पर भी पार्षद घास काटने गये।

३. नागर भक्त का रसास्वाद मिट गया।

४. स्वामी से आत्मानन्द स्वामीने पत्तर की प्रसादी माँगी।

प्र.१०. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषयों पर विवरण लीखिए। (बारह पंक्तियों में)८

१. स्वामी को दर्शन की धुन।

२. एकात्मता।

३. निर्मानता।

४. दारिद्र को टाला।

प्र.११. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लीखिए। ६

१. योगी वेश में दर्शन देकर स्वामी को श्रीजी महाराजने क्या कहा ?

२. श्रीजी महाराजने कुरजी दवे को क्या भेंट दी ?

३. जसा भक्त को क्यों दु:ख प्राप्त हुआ ?

४. जूनागढ में हरिकृष्ण महाराज की प्रतिष्ठा कब हुई ?

५. जूनागढ से विचरण के लिये प्रस्थान करते समय गुणातीतानन्द स्वामी अन्त में क्या बोले ?

प्र.१२. निम्नलिखित किन्हीं दो प्रसंगो का वर्णन कर के भावार्थ लीखिए।
(बारह पंक्तियों में) ८

१. आज्ञाधारक।

२. मूर्ति में रसबस।

३. तुम में अखंड रहता हुँ।

४. सेवा करे सो महन्त।

(विभाग - ३ 'सत्संग परिचय' परीक्षा की पुस्तकों पर आधारित)

प्र.१३. निम्नंकित में से किन्ही तीन विषयों पर विवरण लीखिए।
(बारह पंक्तियों में) ८

१. कृपासाध्य श्रीजी महाराज।

अथवा

अठारह को दीक्षा।

२. गुरुवचन पर न्यौच्छावर होना।

अथवा

साक्षात्कार।

३. दादा खाचर की समर्पण भावना।

अथवा

प्रेमानन्द स्वामी की प्रेमलक्षणा भक्ति।

४. लक्ष्मीचन्द सेठ।

अथवा

राजबाई।

❁ ❁ ❁